7. वैदिक देवशास्त्र – ए0ए0 मेक्डानल– अनु0 डा0 सूर्यकान्त

8. वैदिक साहित्य – रामगोविन्द त्रिवेदी

9. ए वैदिक रीडर फोर स्टूडेन्ट्स – ए0ए0 मेक्डानल

10. लेक्चर्स ऑन द ऋग्वेद – घाटे

11. हिस्ट्री ऑफ इंडियन लिटरेचर –विन्टरनित्स

12. पोइट फिलोसोफर्स आफ द ऋग्वेद – सी.के.राजा

13. सलेक्सन्स फ्राम द ब्राहमणाज् एंड उपनिषद्स – आर.सी द्विवेदी

14. ऋग्वेदिक सियर्स – वी.जी.राहुरकर

15. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – डायसन

16. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – एस. राधाकृष्णन्

17. बृहदारण्यक उपनिषद् (शंकरषाष्यसहित)– गीता प्रेस, गोरखपुर

18. बृहदारण्यक उपनिषद्, –आनन्दाश्रम मुद्रणालय, पूना

19. बृहदारण्यक उपनिषद्, –चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी

एम.ए. पूर्वार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2008–09

द्वितीय प्रश्न पत्र : भारतीय दर्शन

100 अंक

पाठ्यक्रम

1. तर्कभाषा – केशव मिश्रकृत
2. सांख्यकारिका – ईश्वरकृष्णकृत
3. वेदान्तसार – सदानन्दकृत

संपूर्ण पाठ्यक्रम तीन खंडों तथा पांच इकाइयों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण –

प्रथम खंड

(वस्तुनिष्ठात्मक भाग) 10 अंक

इस खंड के अंतर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठ कुल दस प्रश्न पूछे जायेंगे। ये पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा सभी इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

पाठ्यक्रम की इकाइयां

प्रथम इकाई – 10 अंक

तर्कभाषा का प्रमाणलक्षण, करण, कारण, प्रत्यक्ष, अनुमान, तथा उपमान विवेचन।

द्वितीय इकाई – 10 अंक

तर्कभाषा का शब्द, अर्थापत्ति, अभाव तथा प्रामाण्यवाद।

तृतीय इकाई – 10 अंक

सांख्यकारिका की 1–35 कारिकाएं

चतुर्थ इकाई – 10 अंक

सांख्यकारिका की 36–72 कारिकाएं

पंचम इकाई – 10 अंक

वेदान्तसार संपूर्ण।

द्वितीय खंड

(व्याख्यात्मक भाग) **50 अंक**

इस खंड के अंतर्गत कुल पांच प्रश्न (अर्थात् व्याख्या) शतप्रतिशत विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर (अर्थात् व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्नलिखित प्रकार से होगा –

(क) तर्कभाषा के प्रमाण लक्षण, करण, कारण, प्रत्यक्ष, अनुमान तथा उपमान खंडों में से किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जायेगी। 10 अंक

(ख) तर्कभाषा के शब्द अर्थापत्ति, अभाव तथा प्रमाण्यवाद प्रकरणों में से किसी एक अंश की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ग) सांख्यकारिका 1–35 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रंसग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(घ) सांख्यकारिका के 36–72 कारिकाओं में से किसी एक कारिका की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

(ड.) वेदान्तसासर में से किसी एक अवतरण की सप्रसंग व्याख्या विकल्प के साथ पूछी जाएगी। 10 अंक

तृतीय खंड

(निबंधात्मक भाग) **40 अंक**

इस खंड के अंतर्गत दो प्रश्न (विकल्पों के साथ) पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इनके लिए 20–20 अंक निर्धारित हैं।

उक्त खंड के प्रथम प्रश्न के अंतर्गत निम्नलिखित बिन्दु आधारस्वरूप होंगे। 20 अंक

(1) तर्कभाषा में विवेचित विषय (अर्थात् प्रमाणलक्षण, त्रिविधकारण, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द, अर्थापत्ति, अभाव, प्रामाण्यवाद)

(2) सांख्यकारिका में निरूपित विविध विषयों का समालोचनात्मक शैली में व्याख्यान (अर्थात् त्रिविधप्रमाण, सांख्य की प्रकृति, पुरूष, गुणस्वरूप, प्रकृति–पुरूषसंबंध, पुरूष–बहुत्व, सत्कार्यवाद आदि)।